THE AMERICAN PRESBYTERLAN, THURSDAY FTANUARY 19, 1865

|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Corem year ho be |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | now reamat of maty |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { some, he appeared perfectly at home, } \\ & \text { whether in addressing the collected thou- } \\ & \text { sands, or in speaking and praying with } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| 为 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ta commo houest tot piaca oftriat |  |  |
|  |  |  |  |  | rity and life itself in martyrdom, he rises to |
|  |  |  |  | (tay ine |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | to the depths, through the whole range of thought, achievement, honor and glory, there is nothing without love! |
|  |  |  |  |  | HOME MISSION,On applications received from the charcherserve, the following ministers were |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { seemed, among the very fastnesses of the } \\ & \text { mountains, down in a ralley we dis- } \\ & \text { covered one solitary house. But judge } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 隹 |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | A |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Hex |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | mom |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | \% |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| intion |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | ${ }^{\text {br }}$ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| mind |  |  |  |  |  |
|  | . |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $\begin{aligned} & \text { pected ever oy } \\ & \text { Though the meetings in Paris were } \\ & \text { not exactly in the open air, Yet I cannot } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

